(ख) और (ग) जल और गैस आधारित विद्युत स्टेशनों का क्षमता समुपयोजन समय-समय पर जल और गैस की उपलब्धता पर निर्भर करता हैं । ताप विद्युत संयंत्रो के संयंत्रो भार अनुपात की उपलब्धि दिसम्बर, 1998 में 68.4% था दिसम्बर, 1998 माह के दौरान ऊर्जा उत्पादन का लांक्षत कार्यक्रम और उपलब्धियां निम्नवत: है :-

(आंकड़े मि. यू. में)

	लक्ष्य	उपलब्धियां	%
जल विद्युत	5536	6100	110.2
ताप विद्युत	32262	31180	96.5
न्यूक्लीय	938	1168	124.5

(घ) वर्ष 1998-99 के दौरान भारी वर्षा के कारण प्रणाली मांग कम थी । इसके अतिरिक्त जल विद्युत और न्यूक्लीय क्षेत्रों ने कार्यक्रम से अधिक उत्पादन किया हैं । इसके परिणामस्वरूप ताप विद्युत स्टेशन को उत्पादन रोकना पड़ा । इस कम क्षमता समुपयोजन के कारण ताप विद्युत की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई थी ।

रक्षा कार्मियों की विधवाओं के लिए रोजगार के अवसर

255. **श्री लाला लाजपत राय :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रक्षा कार्मियों की विधवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदंड क्या हैं,

(ख) क्या सरकार ने उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कोई नीतिगत योजना तैयार की हैं,

(ग) यदि हां, तो इसकी मुख्य विशेषताएं क्या-क्या हैं और इसे किस तरह लागू किया गया हैं, और

(घ) अब तक उपलब्ध कराये गये रोजगार के अवसरों और राज्य-वार उपलब्ध कराये जाने वाले कुल अवसरों का ब्यौरा क्या हैं ?

रक्षा मंत्री (श्री जार्ज फर्नाडीज) : (क) से (घ) कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने सेवा के दौरान मरने वाले सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दिए जाने के लिए अनुदेश जारी किए हुए हैं । समूह 'ग' और 'घ' किन्ही भी पदों में सीधी भर्ती कोटे के अंतर्गत उत्पन्न होने वाली रिक्तियों के 59 तक पदों पर ऐसी नियुक्तियां की जा सकती हैं । इसी प्रावधान के तहत सेवा के दौरान मरने वाले रक्षा सेव कार्मियों की विधवाओं/आश्रितों को भी सेना मुख्यालये के सिविलियन ग्रुप 'ग' और 'घ' पदों पर होनें वाली रक्तियों पर अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने पर विचार किया जाता हैं ।

रोजगार सहायता प्राप्त करने के लिए दिवंगत रक्षा सेवा कार्मिक की विधवा को अपना नाम संबंधित अभिलेख कार्यालय में दर्ज करवाना होता हैं । अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियां, अभिलेख कार्यालयों द्वारा इस प्रयोजनार्थ रखे गए पैनल में से, रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर की जाती हैं । यह एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया हैं ।

विधवाओं को दिए गए रोजगार से संबंधित सूचना को केन्द्रीयकृत रूप से मप्नीटर नहीं किया जाता ।

Joint ventures between NTPC and CPIC

256. SHRI YERRA NARAYANASWAMY: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that National Thermal Power Corporation (NTPC) has received joint venture proposals from China Power Investment Corporation;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether any of these proposed power plants would be located in Andhra Pradesh; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P.R. KUMARAMANGALAM): (a) NTPC has not received any proposal from China Power Investment Corporation for joint venture.

(b) to (d) Do not arise. Pending

power projects of Kerala

257. SHRI A. VIJAYA RAGHAVAN: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) the details regarding the pending power projects in Kerala;

(b) whether Government would give techno-economic and environmental clearance to the existing proposals; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P.R. KUMARAMANGALAM): (a) to (c) Kannur CCGT Project (513 MW) by M/s. Kannur Power Project Ltd. is the only pending project in Kerala. Techno-economic clearnace to this project would be given by the Central Electricity Authority (CEA) on receipt of necessary inputs from the implementing agency.

White papers on power scenario in the capital

258. SHRI S.M. KRISHNA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether the Government of the National Capital Territory of Delhi has recently published a white paper on power scenario in the capital, if so, the salient features thereof;

(b) whether this Ministry has recently reviewed the power scenario of the capital if so, the details thereof; and

(c) whether any suggestions as a part of contingency plan, if any, drawn by his Ministry have been given to State Government to meet the challenging power crisis, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P.R. KUMARAMANGALAM): (a) Government of National Capital Territory of Delhi has prepared a strategy paper on "Power sector in Delhi" which reflects the operational and financial performance of Delhi Vidyut Board (DVB). The paper gives a brief analysis of the current power situation and spells out a strategy for the reforms and restructuring of power sector in Delhi. It also mentions about extraordinarily high transmission and distribution losses and the financial losses of DVB.

(b) and (c) An action plan to ensure maximum availability of power in Delhi during the summer of 1999 formulated by Central Electricity Authority was reviwed in a meeting taken by Secretary (Power) on 13.11.1998 with Govt. of NCT of Delhi/DVB officials and others. It was decided that Govt. of UCT of Delhi/ DVB should complete the preventive maintenance of its power stations by end of April, 1999, maximise its generation, tie-up operational/commercial arrangements for import of 100 AW power from Eastern Region NTPC stations, enter into agreement with Himachal Pradesh State Electricity Board for availing surplus power from Himachal Pradesh during summer months, install requisite quantum of shunt capacitors in Delhi system, augment its transmission, distribution and transformation system open letter of credit in favour of Badarpur TPS for full current energy bills, etc. It was also decided to increase allocation of power from unallocated quota of central sector stations in Northern region from existing level of 9% to 25% during the summer months